मेरे बचपन के दिन

अर्थग्रहण संबंधी प्रश्न

① अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्रायः दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं। सुना है, उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे। फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की। हमारी कुल-देवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फ़ारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेज़ी पढ़ी थी। हिंदी का कोई वातावरण नहीं था।

(*पृष्ठ 69*)

प्रश्न

***(i)* यहाँ 'मैं' किसके लिए प्रयुक्त है?**

(क) सुभद्रा कुमारी (ख) महादेवी वर्मा

(ग) लक्ष्मीबाई (घ) मीराबाई

***(ii)* गद्यांश में किस कुप्रथा का उल्लेख है?**

(क) लड़कियों को पैदा होते ही मार देने की (ख) लड़कियों को शिक्षा न देने की

(ग) उन्हें परदा करने के लिए बाध्य करना (घ) बेमेल विवाह कर देना

***(iii)* लेखिका की स्थिति अन्य लड़कियों से अलग थी, कैसे?**

(क) उसे स्कूल नहीं भेजा गया

(ख) उसके साथ भेदभाव किया गया

(ग) उसे सम्मान मिला तथा अच्छी तरह पाला गया

(घ) उसे हीन निगाहों से देखा गया

***(iv)* लेखिका के परिवार में निम्नलिखित में से किस भाषा का प्रचलन नहीं था?**

(क) हिंदी (ख) अंग्रेजी

(ग) उर्दू (घ) फ़ारसी

***(v)* 'वातावरण' शब्द का समुचित संधि-विच्छेद कौन-सा है?**

(क) वाता + वरण (ख) वाता + आवरण

(ग) वाताव + रण (घ) वात + आवरण

उत्तर

(i) (ख) महादेवी वर्मा

(ii) (क) लड़कियों को पैदा होते ही मार देने की

(iii) (ग) उसे सम्मान मिला तथा अच्छी तरह पाला गया

(iv) (क) हिंदी

(v) (घ) वात + आवरण।

② बाबा कहते थे, इसको हम विदुषी बनाएँगे। मेरे संबंध में उनका विचार बहुत ऊँचा रहा। इसलिए 'पंचतंत्र' भी पढ़ा मैंने, संस्कृत भी पढ़ी। ये अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू-फ़ारसी सीख लूँ, लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी। मैंने जब एक दिन मौलवी साहब को देखा तो बस, दूसरे दिन मैं चारपाई के नीचे जा छिपी। तब पंडित जी आए संस्कृत पढ़ाने। माँ थोड़ी संस्कृत जानती थीं। गीता में उन्हें विशेष रुचि थी। पूजा-पाठ के समय मैं भी बैठ जाती थी और संस्कृत सुनती थी।

(पृष्ठ 69)

प्रश्न

(i) **यहाँ किसके बाबा का उल्लेख किया गया है?**

(क) महादेवी वर्मा
(ख) सुभद्रा कुमारी
(ग) लक्ष्मीबाई
(घ) चपला देवी

(ii) **वे लेखिका को विदुषी बनाना चाहते थे, इसका कारण निम्नलिखित में से क्या था?**

(क) क्योंकि उसके परिवार में सभी अशिक्षित थे
(ख) क्योंकि लेखिका का जन्म बड़ी मन्नतों के बाद हुआ था
(ग) क्योंकि उसके आसपास की स्त्रियाँ उच्च शिक्षित थी
(घ) इनमें से कोई नहीं।

(iii) **लेखिका ने 'पंचतत्र' भी पढ़ा, यह निम्नलिखित में से क्या था?**

(क) पाँच पाठवाली किताब
(ख) पाँच भाषाएँ सिखानेवाली
(ग) पाँच तरह विद्या सिखाने वाली
(घ) मानवीय मूल्यों की शिक्षा देने वाली कहानी की पुस्तक

(iv) **लेखिका संस्कृत आसानी से सीख गई क्योंकि ......।**

(क) उसके बाबा संस्कृत बोलते थे
(ख) वह संस्कृत माध्यम की छात्रा थी
(ग) उसे दो लोग संस्कृत पढ़ाने आते थे
(घ) माँ के साथ पूजा-पाठ पर बैठते-बैठते उसे संस्कृत रुचिकर लगने लगी

(v) **'पंचतंत्र' में निम्नलिखित में से कौन-सा समास है?**

(क) अव्ययीभाव समास
(ख) कर्मधारय समास
(ग) द्विगु समास
(घ) द्वंद्व समास

उत्तर

(i) (क) महादेवी वर्मा

(ii) (ख) क्योंकि लेखिका का जन्म बड़ी मन्नतों के बाद हुआ था।

(iii) (घ) मानवीय मूल्यों की शिक्षा देने वाली कहानी की पुस्तक।

(iv) (घ) माँ के साथ पूजा-पाठ पर बैठते-बैठते उसे संस्कृत रुचिकर लगने लगी।

(v) (ग) द्विगु समास

③ एक दिन उन्होंने कहा, 'महादेवी, तुम कविता लिखती हो?' तो मैंने डर के मारे कहा, 'नहीं।' अंत में उन्होंने मेरी डेस्क की किताबों की तलाशी ली और बहुत-सा निकल पड़ा उसमें से। तब जैसे किसी अपराधी को पकड़ते हैं, ऐसे उन्होंने एक हाथ

में कागज़ लिए और एक हाथ में मुझको पकड़ा और पूरे होस्टल में दिखा आईं कि ये कविता लिखती है। फिर हम दोनों की मित्रता हो गई। क्रास्थवेट में एक पेड़ की डाल नीची थी। उस डाल पर हम लोग बैठ जाते थे। *(पृष्ठ 70)*

प्रश्न

(i) **यहाँ 'उन्होंने' शब्द किसके लिए प्रयुक्त है?**

(क) मीराबाई (ख) चपला देवी

(ग) सुभद्रा कुमारी (घ) इनमें से कोई नहीं।

(ii) **उन्होंने डेस्क की तलाशी क्यों ली?**

(क) अपनी खोई किताबें खोजने के लिए (ख) लेखिका द्वारा लिखी कविताएँ खोजने के लिए

(ग) कहानी की किताब खोजने के लिए (घ) खोए हुए पैसे खोजने के लिए।

(iii) **गद्यांश में वर्णित छात्रावास कहाँ था?**

(क) क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज (ख) प्रयाग महिला कॉलेज

(ग) होलीफेथ गर्ल्स कॉलेज (घ) लक्ष्मीबाई गर्ल्स कॉलेज।

(iv) **'ये कविता लिखती है'—यहाँ 'ये' क्या है?**

(क) संज्ञा (ख) विशेषण

(ग) अव्यय (घ) सर्वनाम।

(v) **लेखिका की स्थिति अपराधी जैसी क्यों थी?**

(क) वह कविताएँ लिखती थी (ख) उसने कविता लेखन की अनुमति नहीं ली थी

(ग) उसने कविताएँ चुराई थी (घ) लेखिका ने उनसे कविता लेखन के बारे में झूठ बोल दिया था।

उत्तर

(i) (ग) सुभद्रा कुमारी ***(ii)*** (ख) लेखिका द्वारा लिखी कविताएँ खोजने के लिए

(iii) (क) क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज ***(iv)*** (घ) सर्वनाम

(v) (घ) लेखिका ने उनसे कविता लेखन के बारे में झूठ बोल दिया था।

④ उस समय एक पत्रिका निकलती थी—'स्त्री दर्पण'—उसी में भेज देते थे। अपनी तुकबंदी छप भी जाती थी। फिर यहाँ कवि-सम्मेलन होने लगे तो हम लोग भी उनमें जाने लगे। हिंदी का उस समय प्रचार-प्रसार था। मैं सन् 1917 में यहाँ आई थी। उसके उपरांत गाँधी जी का सत्याग्रह आरंभ हो गया और आनंद भवन स्वतंत्रता के संघर्ष का केंद्र हो गया। जहाँ-तहाँ हिंदी का प्रचार चलता था। कवि-सम्मेलन होते थे तो क्रास्थवेट से मैडम हमको साथ लेकर जाती थीं। *(पृष्ठ 71)*

प्रश्न

(i) **'स्त्री दर्पण' निम्नलिखित में से क्या है?**

(क) अच्छी गुणवत्ता का दर्पण (ख) स्त्रियों का विशेष दर्पण

(ग) पाठ्यक्रम की एक पुस्तक (घ) एक पत्रिका का नाम

(ii) **1917 में देश की स्वतंत्रता संबंधी कौन-सी घटना घटी? गद्यांश के आधार पर लिखिए।**

(क) नेता जी का नारा 'दिल्ली' चलो का प्रचार हुआ

(ख) अंग्रेज़ों भारत छोड़ो नारा दिया गया

(ग) गाँधी जी का सत्याग्रह आंदोलन

(घ) नमक तोड़ो आंदोलन शुरू हुआ।

(iii) 'आनंद भवन' निम्नलिखित में से किससे संबंधित था?

(क) नेहरू जी (ख) चंद्रशेखर आजाद

(ग) गाँधी जी (घ) भगत सिंह

(iv) मैडम लेखिका को लेकर कहाँ जाती थी?

(क) स्वतंत्रता आंदोलन में (ख) स्त्री दर्पण के कार्यालय में

(ग) आनंद भवन में (घ) कवि-सम्मेलनों में

(v) 'क्रास्थवेट से मैडम हमको-लेकर जाती थी' वाक्य में 'क्रास्थवेट' निम्नलिखित में से क्या है?

(क) स्कूल की मोटर कार का नाम (ख) एक जगह का नाम

(ग) कॉलेज का नाम (घ) कवि सम्मेलन होने की जगह का नाम

उत्तर

(i) (घ) एक पत्रिका का नाम। **(iv)** (घ) कवि-सम्मेलनों में

(ii) (ग) गाँधी जी का सत्याग्रह आंदोलन **(v)** (ग) कॉलेज का नाम

(iii) (क) नेहरू जी

⑤ वही प्रोफ़ेसर मनमोनह वर्मा आगे चलकर जम्मू यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर रहे, गोरखपुर यूनिवर्सिटी के भी रहे। कहने का तात्पर्य यह कि मेरे छोटे भाई का नाम वही चला जो ताई साहिबा ने दिया। उनके यहाँ भी हिंदी चलती थी, उर्दू भी चलती थी। यों, अपने घर में वे अवधी बोलते थे। वातावरण ऐसा था उस समय कि हम लोग बहुत निकट थे। आज की स्थिति देखकर लगता है, जैसे वह सपना ही था। आज वह सपना खो गया।

शायद वह सपना सत्य हो जाता तो भारत की कथा कुछ और होती। *(पृष्ठ 73)*

प्रश्न

(i) मनमोहन वर्मा गोरखपुर विश्वविद्यालय से किस प्रकार संबंधित थे?

(क) संस्थापक थे (ख) प्रोफेसर थे

(ग) वाइस चांसलर थे (घ) डीन थे

(ii) 'मेरे छोटे भाई का वही नाम चला' में 'मेरे' शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है?

(क) सुभद्राकुमारी के लिए (ख) महादेवी वर्मा के लिए

(ग) जवारा के नवाब की पत्नी के लिए (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) 'वातावरण ऐसा था' के माध्यम से किस ओर संकेत किया गया है?

(क) सांप्रदायिक सद्‌भाव तथा एकता का वातावरण

(ख) लोगों के पास-पास रहने का वातावरण

(ग) लोगों के एक-दूसरे से मिलकर रहने का वातावरण

(घ) एक-दूसरे की मदद का वातावरण

(iv) आज किस सपने के खोने की बात की गई है?

(क) हिंदू-मुस्लिम के अलग देश बनाने के (ख) हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत होने के

(ग) हिंदू-मुसलमानों की एकता के (घ) हिंदू-मुसलमानों के त्योहार साथ-साथ न मनाने के

(v) 'मेरे भाई का वही नाम चला <u>जो ताई साहिबा ने दिया</u>' रेखांकित अंश के उपवाक्य का नाम निम्नलिखित में से कौन है?

(क) प्रधान उपवाक्य (ख) क्रियाविशेषण उपवाक्य

(ग) विशेषण उपवाक्य (घ) संज्ञा उपवाक्य

उत्तर

(*i*) (ग) वाइस चांसलर थे (*ii*) (ख) महादेवी वर्मा के लिए

(*iii*) (क) सांप्रदायिक सद्‌भाव एवं एकता का वातावरण

(*iv*) (ग) हिंदू-मुसलमानों की एकता के (*v*) (ग) विशेषण उपवाक्य

प्रश्न-अभ्यास

(पाठ्यपुस्तक से)

1. 'मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है।' इस कथन के आलोक में आप यह पता लगाएँ कि–

(क) उस समय लड़कियों की दशा कैसी थी?

(ख) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज कैसी परिस्थितियाँ हैं?

उत्तर (क) उस समय जब लेखिका पैदा हुई थी अर्थात् सन् 1900 के आसपास स्त्रियों की स्थिति बहुत शोचनीय थी। उनके प्रति लोगों का दृष्टिकोण बहुत अच्छा न था। लोग पुत्रों को अधिक महत्त्व देते थे। कुछ स्थानों पर तो लड़कियों को पैदा होते ही मार देते थे। उनकी शिक्षा, पालन-पोषण आदि को बहुत महत्त्व नहीं दिया जाता था। उस समय बाल-विवाह, दहेज-प्रथा, सती-प्रथा आदि सामाजिक कुरीतियाँ प्रचलित थीं जो महिलाओं के लिए घातक सिद्ध हो रही थीं।

(ख) लड़कियों के जन्म के संबंध में आज की परिस्थितियों में काफी सुधार आया है। लोग पहले जहाँ जन्म लेते ही लड़कियों को मार देते थे, आज भ्रूण परीक्षण के माध्यम से जन्म पूर्व ही उनकी हत्या करने का प्रयास करते हैं। सरकार द्‌वारा कठोर कदम उठाने से इसमें कमी आई है, दूसरे घटते लिंगानुपात ने भी लोगों को इस दिशा में सोचने को विवश कर दिया है। इससे कुछ लोगों द्‌वारा लड़कियों को भी शिक्षित कर लड़कों जैसा ही समझा जाने लगा है।

2. लेखिका उर्दू-फ़ारसी क्यों नहीं सीख पाई?

उत्तर लेखिका उर्दू-फ़ारसी इसलिए नहीं सीख पाई क्योंकि–

(*i*) उसके घर में उर्दू-फ़ारसी का माहौल न था, जिससे बचपन में उसे इस भाषा को सीखने के लिए प्रोत्साहन नहीं मिला।

(*ii*) लेखिका के मन में यह बात बैठ गई थी कि उर्दू-फ़ारसी सीखना उसके वश की बात नहीं।

(*iii*) इस भाषा को सीखने में वह रुचि नहीं लेती थी।

(*iv*) उर्दू सिखाने वाले मौलवी के आने पर वह चारपाई के नीचे छिप जाया करती थी।

3. लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है?

उत्तर लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताओं का उल्लेख किया है–

(*i*) **धार्मिक स्वभाव**–लेखिका की माँ नियमित रूप से पूजा-पाठ करती थीं। वे ईश्वर में आस्था रखती थीं। वे मीराबाई के पद तथा प्रभातियाँ गाती थीं।

(*ii*) **संस्कारी महिला**–लेखिका की माँ अच्छे गुणों वाली महिला थीं, जिनका असर लेखिका पर भी पड़ा।

(*iii*) **हिंदी-संस्कृत की ज्ञाता**–लेखिका की माँ को हिंदी-संस्कृत का अच्छा ज्ञान था।

(*iv*) **धार्मिक सहिष्णुता**–लेखिका की माँ धर्म सहिष्णु महिला थीं। उन्होंने जवारा के नवाब के परिवार से अच्छे संबंध बनाकर रखा।

4. जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है?

उत्तर जवारा के नवाब और लेखिका का परिवार एक ही कंपाउंड में रहता था। मुसलमान और हिंदू परिवार होने के बाद भी दोनों परिवारों के संबंध बहुत अच्छे थे। दोनों के त्योहारों को एक-दूसरे के परिवार वाले मिल-जुलकर मनाते थे। एक का जन्मदिन

दूसरे के परिवार में मनाया जाता था। रक्षाबंधन के दिन लेखिका नवाब के बेटे को राखी बाँधती थी तो मुहर्रम के दिन लेखिका के परिवार के बच्चे हरे कपड़े पहनते थे। लेखिका के छोटे भाई को मनमोहन नाम नवाब की पत्नी द्वारा ही दिया गया था।

आज हिंदू और मुसलमान के नाम पर जगह-जगह दंगे होते हैं। इसके अलावा धर्म, संप्रदाय आदि के नाम पर वैमनस्यता उत्पन्न हो गई है। उस तरह के सांप्रदायिक सद्भाव सचमुच स्वप्न बनकर रह गए हैं।

रचना और अभिव्यक्ति

5. ज़ेबुन्निसा महादेवी वर्मा के लिए बहुत काम करती थी। ज़ेबुन्निसा के स्थान पर यदि आप होतीं/होते तो महादेवी से आपकी क्या अपेक्षा होती?

उत्तर ज़ेबुन्निसा के स्थान पर यदि मैं लेखिका का कुछ काम करता तो निम्नलिखित अपेक्षाएँ रखता–

(*i*) वे पढ़ाई में मेरी मदद करें।

(*ii*) वे स्वरचित कविताएँ सुनाएँ तथा कविता-लेखन के लिए मुझे भी प्रोत्साहित करें।

(*iii*) वे मेरी प्रशंसा करें तथा मुझ पर स्नेह बनाए रखें।

6. महादेवी वर्मा को काव्य प्रतियोगिता में चाँदी का कटोरा मिला था। अनुमान लगाइए कि आपको इस तरह का कोई पुरस्कार मिला हो और वह देशहित में या किसी आपदा निवारण के काम में देना पड़े तो आप कैसा अनुभव करेंगे/करेंगी?

उत्तर देशहित में या देश पर आई किसी आपदा निवारण के लिए मैं पुरस्कार में मिली कोई वस्तु या अपनी निजी वस्तु सहर्ष दे दूँगा। पुरस्कार से प्यार तो मुझे भी है पर देशहित की बात आने पर यह प्यार देश के लिए बढ़ जाएगा। मेरे लिए व्यक्तिगत हित, देशहित के सामने कोई महत्त्व नहीं रखता है।

7. लेखिका ने छात्रावास के जिस बहुभाषी परिवेश की चर्चा की है उसे अपनी मातृभाषा में लिखिए।

उत्तर लेखिका ने क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में पाँचवीं में प्रवेश लिया। यहाँ देश के विभिन्न भागों से छात्राएँ पढ़ने आती थीं। छात्रावास में वे सब अपनी-अपनी मातृभाषा में बातें करती थीं। अवध से आने वाली अवधी में, बुंदेलखंड क्षेत्र से आने वाली बुंदेली में, ब्रज क्षेत्र से आने वाली ब्रजभाषा में, महाराष्ट्र से आने वाली मराठी में तथा हिंदी भाषा क्षेत्र से आने वाली हिंदी में बातें करती थीं। सभी अपनी-अपनी बोली में बात करते हुए साथ-साथ हिंदी और उर्दू पढ़ती थीं। उनमें किसी तरह का कोई विवाद न था। इस प्रकार छात्रावास का परिवेश बहुभाषी था।

8. महादेवी जी के इस संस्मरण को पढ़ते हुए आपके मानस-पटल पर भी अपने बचपन की कोई स्मृति उभरकर आई होगी, उसे संस्मरण शैली में लिखिए।

उत्तर मैं जहाँ रहता हूँ वहीं पास में कुछ मुसलमानों के घर भी हैं। एक बार पाकिस्तान भारत के साथ क्रिकेट के एक नजदीकी मुकाबले में हार गया। कुछ शरारती लड़कों ने मुसलमानों के घर के पास पटाखे फोड़ दिया। यह बात मुसलमानों को नागवार गुजरी। उन्होंने एक हिंदू लड़के को पीट दिया। बस क्या था, दंगे जैसी स्थिति बन गई। पता चला कि दोनों ओर के दस आदमी घायल हो चुके हैं। मैं उस दिन अपनी कोचिंग की कक्षाएँ समाप्त कर दस बजे लौट रहा था कि सबसे किनारे वाले मकान के रऊफ चाचा ने मुझे अंदर खींच लिया और सारी बातों से अवगत कराया। उन्होंने मेरे घरवालों को फोन किया। घरवाले पुलिस के साथ वहाँ आए और रऊफ चाचा को धन्यवाद देकर मुझे घर ले गए। यह घटना याद कर मैं आज भी रऊफ चाचा का कृतज्ञ हो उठता हूँ।

9. महादेवी ने कवि-सम्मेलनों में कविता-पाठ के लिए अपना नाम बुलाए जाने से पहले होने वाली बेचैनी का ज़िक्र किया है। अपने विद्यालय में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेते समय आपने जो बेचैनी अनुभव की होगी, उस पर डायरी का एक पृष्ठ लिखिए।

उत्तर 05 जनवरी, 20××

आज हमारे विद्यालय का वार्षिकोत्सव मनाया गया। इसमें भव्य सांस्कृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुझे एक नृत्य (डाँस) प्रस्तुत करना था। आवश्यक परिधान तथा कुछ मेकअप के बाद अपनी बारी का इंतजार करता मैं पर्दे के पीछे खड़ा था। मन में तरह-तरह की आशंकाएँ जन्म ले रही थीं। एक कार्यक्रम समाप्त होते ही मेरा नाम पुकारा

गया। संगीत की आवाज के साथ मैं मंच पर गया। अचानक तालियाँ बजीं, मेरा उत्साह बढ़ा और मैं नृत्य में लीन हो गया। नृत्य की समाप्ति पर फिर तालियाँ बजीं। कार्यक्रम के अंत में मुझे पुरस्कृत किया गया। वह प्रदर्शन, वह पुरस्कार और तालियाँ सभी कुछ मुझे हमेशा याद रहेगा।

भाषा अध्ययन

10. पाठ से निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द ढूँढ़कर लिखिए—

विद्वान, अनंत, निरपराधी, दंड, शांति।

उत्तर

शब्द	विलोम शब्द
विद्वान	मूर्ख
अनंत	अंत/सीमित
निरपराधी	अपराधी
दंड	पुरस्कार
शांति	अशांति

11. निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए और मूल शब्द बताइए—

निराहारी निर् + आहार + ई

सांप्रदायिकता

अप्रसन्नता

अपनापन

किनारीदार

स्वतंत्रता

उत्तर

शब्द	उपसर्ग	प्रत्यय	मूल शब्द
निराहारी	निर, आ	ई	हार
सांप्रदायिकता	सम्, प्र	इक, ता	दाय
अप्रसन्नता	अ	ता	प्रसन्न
अपनापन	–	पन	अपना
किनारीदार	–	दार	किनारी
स्वतंत्रता	स्व	तंत्र	ता

12. निम्नलिखित उपसर्ग-प्रत्ययों की सहायता से दो-दो शब्द लिखिए—

उपसर्ग – अन्, अ, सत्, स्व, दुर्

प्रत्यय – दार, हार, वाला, अनीय

उत्तर

उपसर्ग	उपसर्ग युक्त शब्द
अन्	अनुचित, अनंत, अनर्थ, अनावश्यक, अनेक
अ	अभाव, असमर्थ, अचर, अधर्म, अहिंसा
सत्	सत्संग, सज्जन, सत्कर्म, सत्पुरुष, सद्गति
स्व	स्वतंत्र, स्वाधीन, स्वावलंबन, स्वार्थ
दुर्	दुर्बल, दुर्लभ, दुर्गम, दुर्दिन, दुर्भाग्य, दुर्गुण।

प्रत्यय	प्रत्यय युक्त शब्द
दार	दुकानदार, चौकीदार, पहरेदार, हिस्सेदार, रोबदार, फलदार।
हार	होनहार, खेवनहार, पालनहार।
वाला	टोपीवाला, फलवाला, दुकानवाला, अखबारवाला, पानीवाला।
अनीय	पठनीय, पूजनीय, दर्शनीय, लेखनीय, आदरणीय।

13. पाठ में आए सामासिक पद छाँटकर विग्रह कीजिए–

पूजा-पाठ	पूजा और पाठ
....	....
....	....

उत्तर

सामासिक शब्द	विग्रह
दुर्गापूजा	दुर्गा की पूजा
परमधाम	परम है जो धाम
पंचतंत्र	पाँच तंत्रों का समूह
चारपाई	चार पायों का समूह
कुलदेवी	कुल की देवी
कवि सम्मेलन	कवियों का सम्मेलन
जेबखर्च	जेब के लिए खर्च
रोना-धोना	रोना और धोना
छात्रावास	छात्रों का आवास
चाची-ताई	चाची और ताई
निराहार	बिना आहार किए
जन्मदिन	जन्म का दिन
मनमोहन	मन को मोह लेता है जो अर्थात् श्री कृष्ण

कुछ और प्रश्न

I. उच्च चिंतन एवं मनन क्षमताओं का आँकलन संबंधी प्रश्नोत्तर

1. सुभद्रा कुमारी चौहान ने महादेवी की काव्य-प्रतिभा निखारने में किस प्रकार योगदान दिया?

उत्तर सुभद्रा कुमारी चौहान महादेवी वर्मा से बड़ी थीं। वे पहले से ही कविताएँ लिखा करती थीं। एक दिन उन्होंने महादेवी वर्मा की लिखी कुछ कविताएँ पढ़कर जान लिया कि ये भी कविताएँ लिखती हैं। इसके बाद दोनों साथ-साथ तुकबंदियाँ करने लगीं। दोनों की कविताएँ 'स्त्री-दर्पण' में छपने लगीं। उनके प्रोत्साहन से महादेवी वर्मा का काव्य-लेखन निखरता गया।

2. 'ताई साहिबा' के उदाहरण द्वारा महादेवी ने क्या संदेश देने का प्रयास किया है?

उत्तर महादेवी वर्मा ने ताई साहिबा जो जवारा के नवाब की पत्नी थीं, के साथ अपने पारिवारिक संबंधों का वर्णन किया है कि कैसे वे एक-दूसरे के त्योहारों को मिल-जुलकर मनाते थे। बच्चों का जन्मदिन दोनों परिवार के लोग साथ-साथ मनाते थे तथा परस्पर भावनाओं की कद्र करते थे। इसके माध्यम से लेखिका ने सांप्रदायिक भेद-भाव त्यागकर साथ रहने, परस्पर सद्भावना बनाए रखने तथा एक-दूसरे की भावनाएँ समझने का संदेश दिया है।

3. महादेवी वर्मा ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का वर्णन किया है?

उत्तर लेखिका की माँ के आने के साथ ही उसके परिवार में हिंदी बोली जाने लगी। वे हिंदी के पद लिखती थीं और उन्हें गाया करती थीं। 'जागिए कृपा निधान पंछी बन बोले' सवेरे गाया करती थीं। वे संस्कृत की ज्ञाता थीं। वे धार्मिक स्वभाव की महिला थीं, जो पूजा-पाठ और गीता में विशेष रुचि रखती थीं।

4. बापू ने लेखिका से कौन-सी वस्तु माँग ली और क्यों? 'मेरे बचपन के दिन' पाठ के आधार पर लिखिए?

उत्तर एक बार गाँधी इलाहाबाद आए थे। लोग आजादी की लड़ाई में अपना योगदान देते थे। लेखिका ने जब गाँधी जी को अपना पुरस्कारस्वरूप मिला चाँदी का कटोरा दिखाया, तो गाँधी जी ने वह कटोरा माँग लिया। वे बच्चों तथा देश के नागरिकों से इस प्रकार प्राप्त वस्तुएँ और धन आदि से, उन स्वतंत्रता सेनानियों की मदद करते थे, जो देश को आजादी दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

5. लेखिका ने छात्रावास के जिस बहुभाषी परिवेश की चर्चा की है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर लेखिका महादेवी वर्मा को पाँचवीं कक्षा में क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में प्रवेश दिलाया गया। वहाँ विभिन्न प्रांतों से आई लड़कियाँ साथ-साथ रहतीं, मेस में खातीं तथा अपनी-अपनी मातृभाषा में बातें करती थीं। मराठी छात्रा जेबुन्निसा मराठी मिली-जुली हिंदी बोलती थी। सभी उर्दू-हिंदी साथ-साथ पढ़ते थे तथा अपने-अपने प्रांत की भाषा बोलते थे।

6. पैदा होने पर नन्हीं महादेवी वर्मा की बड़ी खातिर क्यों हुई जबकि उस समय लड़कियों को बोझ समझा जाता था, क्यों?

उत्तर महादेवी जब पैदा हुई थी, उस समय लड़कियों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। महादेवी के परिवार में दो सौ वर्षों तक कोई लड़की नहीं पैदा हुई। उसके बाबा ने कुल देवी दुर्गा की आराधना की इसके बाद महादेवी वर्मा का जन्म हुआ था, इसलिए जन्म के बाद उसकी बड़ी खातिर हुई।

7. सुभद्रा कुमारी का साथ मिलने पर लेखिका की रचनाओं में क्या बदलाव आया?

उत्तर लेखिका महादेवी वर्मा के घर में मीराबाई के पद गाए जाते थे, जो ब्रज भाषा में होते थे। लेखिका ने भी माँ को सुनते-सुनते तथा घर के वातावरण के फलस्वरूप ब्रज भाषा में लिखना शुरू कर दिया, पर जब उन्होंने छात्रावास में सुभद्रा को खड़ी बोली लिखते देखा तो खड़ी बोली में लिखना शुरू कर दिया।

8. पुरस्कार में कटोरा मिलने पर सुभद्रा ने महादेवी वर्मा को किस परंपरा की याद दिलाई और क्या कहा?

उत्तर महादेवी को कवि-सम्मेलन में पुरस्कार स्वरूप चाँदी का कटोरा मिला तो उन्होंने इसे सुभद्रा कुमारी को दिखाया। यह देख सुभद्रा कुमारी ने उन्हें उस भारतीय परंपरा की याद दिलाई जिसके अनुसार किसी नए पात्र में पहली बार खीर जैसा मीठा खाद्य-पदार्थ पकाए जाने की परंपरा है। उन्होंने लेखिका से उस कटोरे में खीर पकाकर खिलाने को कहा।

II. लघु उत्तरीय प्रश्न

1. महादेवी वर्मा ने मिशन स्कूल में जाना क्यों बंद कर दिया?

उत्तर महादेवी वर्मा ने बचपन में संस्कृत और पंचतंत्र पढ़ा। संस्कृत जाननेवाली उनकी माता की गीता में विशेष रुचि थी। लेखिका को भी अपनी माँ के साथ पूजा-पाठ पर बैठकर संस्कृत सुनना अच्छा लगता था। लेखिका का जब मिशन स्कूल में दाखिला कराया गया तो वहाँ का वातावरण बिल्कुल भिन्न था जहाँ उसका मन नहीं लगा और उसने स्कूल जाना बंद कर दिया।

2. सुभद्रा कुमारी को कैसे पता चला कि महादेवी वर्मा भी कविताएँ लिखती हैं?

उत्तर महादेवी वर्मा बचपन से ही तुकबंदी किया करती थीं। सुभद्रा कुमारी उससे दो साल बड़ी थीं तथा वे लेखिका के साथ छात्रावास के कमरे में रहती थीं। लेखिका उनसे छुप-छुपाकर कुछ लिखती थीं। एक दिन डेस्क की तलाशी लेने पर उन्हें महादेवी द्वारा लिखी हुई अनेक कविताएँ मिलीं तो सुभद्रा को पता चल गया कि महादेवी भी लिखती हैं।

3. लेखन कार्य के लिए लेखिका को आरंभिक प्रेरणा किस-किस से मिली?

उत्तर यद्यपि महादेवी वर्मा तुकबंदी बचपन से ही करती आ रही थीं, तथापि सुभद्रा कुमारी के रूप में उन्हें साथिन और कवयित्री मिलीं। दोनों साथ-साथ रचनाएँ करने लगीं। उस समय की निकलने वाली पत्रिका 'स्त्री दर्पण' में इनकी रचनाएँ छप जाती थीं। इनसे इनको रचना करने की प्रेरणा मिली।

III. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. **'क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज' राष्ट्रीय एकता की जीवंत मिसाल था-स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज का वातावरण बहुत अच्छा था। वहाँ हिंदू-मुस्लिम और ईसाई लड़कियाँ साथ-साथ पढ़ती थीं। वे आपस में सौहार्द्र भाव से रहती थीं। सभी लड़कियों के लिए एक ही मेस था, जिसमें प्याज तक का प्रयोग नहीं किया जाता था। सभी एक साथ खाना खाया करती थीं। वे सभी भले ही अगल-अलग प्रांतों या स्थानों से आईं हों और अपनी-अपनी भाषा में बोलती हों पर सभी हिंदी पढ़ती थीं। सभी को उर्दू पढ़ाई जाती थी। सभी एक साथ ही प्रार्थना करती थीं। उनमें जाति-धर्म या सांप्रदायिकता की भावना न थी। उनमें भाषा तथा प्रांतीयता के आधार पर कोई मतभेद न था। इस प्रकार वहाँ राष्ट्रीय एकता की जीवंत मिसाल कायम थी।

2. **महादेवी वर्मा के साहित्यकार बनने में उनका पारिवारिक तथा छात्रावास का वातावरण कितना सहायक सिद्‌ध हुआ?**

उत्तर महादेवी वर्मा के साहित्यकार बनने में उनके परिवार तथा छात्रावास के वातावरण का बहुत बड़ा योगदान था। उनके परिवार के सदस्य शिक्षित थे। उनके बाबा उर्दू-फ़ारसी के जानकार थे तो पिता जी अंग्रेज़ी के तथा माता हिंदी और संस्कृत की ज्ञाता थीं। माँ को लिखने का भी शौक था। यहीं से महादेवी वर्मा को तुकबंदी की आदत पड़ी। क्रास्थवेट कॉलेज में सुभद्रा कुमारी के साथ ने इसमें बहुत सहायता की। दोनों साथ-साथ कविताएँ लिखतीं तथा स्त्री दर्पण पत्रिका में छपने को भेज देती थीं। कवि-सम्मेलनों में कविता-पाठ करते-करते वे दोनों उच्चकोटि की साहित्यकार बन गईं।

3. **महादेवी वर्मा तथा उसकी साथिनें स्वतंत्रता आंदोलन में किस प्रकार आर्थिक मदद देती थीं?**

उत्तर लेखिका ने 1917 में क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में प्रवेश लिया। वहाँ उसे कवि-सम्मेलनों में कविता-पाठ करने से पुरस्कार स्वरूप कुछ राशि मिल जाती थी। एक बार उसे कविता-पाठ करने पर पुरस्कार स्वरूप चाँदी का सुंदर कटोरा मिला था। उन्हीं दिनों (1920 के आसपास) गाँधी जी आनंदभवन में आया करते थे। लेखिका और उसकी साथिनें अपनी जेब खर्च के बचाए पैसों को गाँधी जी को देश की स्वतंत्रता के संघर्ष के लिए दे दिया करती थीं। इसी समय लेखिका ने गाँधी जी को अपना चाँदी का कटोरा दिखाया। गाँधी जी ने देशहित में वह कटोरा माँगा, जिसे लेखिका ने सहर्ष दे दिया। इस प्रकार महादेवी वर्मा और उसकी साथिनें अपनी जेब खर्च के बजाए पैसे राष्ट्रीय आंदोलन में आर्थिक मदद के रूप में दे दिया करती थीं।

4. **'मेरे बचपन के दिन' पाठ का उद्‌देश्य स्पष्ट कीजिए।**

उत्तर 'मेरे बचपन के दिन' पाठ में लेखिका वर्मा नें स्मृतियों के सहारे कई रोचक घटनाओं का वर्णन किया है। इनके द्‌वारा तत्कालीन परिस्थितियों से आने वाली पीढ़ी को अवगत कराना था। लेखिका ने तत्कालीन समाज में नारी की स्थिति का चित्रण किया है। उसने अपने शिक्षित परिवार तथा घर के धार्मिक वातावरण का भी चित्रण किया है। उस समय देश में सांप्रदायिकता के लिए जगह न थी। सभी छात्राएँ एक साथ हिंदी-उर्दू पढ़ती थीं तथा एक साथ खाना खातीं और एक ही प्रार्थना करती थीं। वे राष्ट्रीय आंदोलन में भी अपनी सामर्थ्य भर योगदान दिया करती थीं। जवारा के नवाब की पत्नी तथा लेखिका की माँ के सद्‌भावपूर्ण मेल-जोल आज की सांप्रदायिक भावना पर चोट करते हैं।

इस प्रकार इस पाठ का उद्‌देश्य छात्रों एवं युवाओं के मन में मेलजोल की भावना मजबूत करना, सांप्रदायिक सद्‌भाव तथा राष्ट्रीय एकता को समृद्‌ध करना और अपनी स्वतंत्रता के प्रति सजग रहकर उसके लिए अपना तन-मन-धन अर्पण करने की प्रेरणा देना है।